additional development of the existing fields.

(ii) Participation of private companies/ joint venture companies in exploration and development programme.

(iii) Implementation of Gas Flaring Reduction Projects in order to reduce the gas flaring, and thereby increase the availability of gas.

(iv) Increase the refining capacity in the country by expansion of existing refineries and setting up of new grassroot refineries, permitting new refineries in the joint sector and private sector.

Reluctance of Private Sector to Enter into Energy Sector

3891. SHRI JOY NADUKKARA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether private sector is reluctant to enter into energy sector because of the lack of fair and transparent procedures for the entry of private producers in this sector, as revealed by the economic survey 1995-96;

(b) if so, whether Government intend to make enquiry to find out the reasons which prevent entry of the private sector into this area; and

(c) what steps Government intend to take to change the situation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (DR. S. VENU-GOPALACHARI): (a) The response to the private Power policy so far has been highly encouraging. To bring in the element of transparency and competitiveness, Government have made competitive bidding mandatory after 18.2.1995, in the matter of award of power projects to the promoters for development.

(b) and (c) Does not arise.

मौसम विज्ञान विभाग के लिए राडार की सुविधा

3892. **श्री एस॰ एस॰ सुरजेवाला:**
श्री अजीत जोगी:

क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार मौसम के पूर्वानुमानों में सुधार लाने हेतु मौसम विज्ञान विभाग को नवीनतम राडार और अन्य उपकरण प्रदान करने का विचार रखती है।

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त राडार और उपकरण कब तक प्रदान कर दिए जाने की संभावना है; और

(घ) इन उपकरणों पर कितनी लागत आने का अनुमान है?

योजना तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री योगिन्दर के॰ अलघ): (क) जी, हां।

(ख) तथा (ग) भारत मौसम विज्ञान विभाग ने प्रेक्षण नेटवर्क का दर्जा बढ़ाने के लिए दस राडार खरीदे हैं। इन राडारों के सितम्बर, 1996 तक स्थापित कर दिये जाने की आशा है।

इसके अलावा, चक्रवात का पता लगाने के प्रयोजन से दो डॉप्लर मौसम राडार प्राप्त करने के लिए प्रक्रिया शुरू की गई है जिसमें तटीय स्टेशनों पर परम्परागत मौजूदा राडारों को बदलने के लिए तीसरे राडार का विकल्प है

(घ) चक्रवात का पता लगाने/वायु दिशा बताने वाले प्रत्येक राडार की लागत लगभग 2.8 करोड़ रुपये है।

Renovation of units of Durgapur Project Ltd.

3893. SHRI JIBON ROY:
SHRI DIPANKAR MUKHERJEE:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether any proposal has been received from the West Bengal